NCERTENGLISH.IN
LEARN, GROW AND ACHIEVE WITH US

The Ghat Of The Only World Summary

The Ghat of the Only World'..... by Amitav Ghosh

The Ghat Of The Only World Summary - The 'Ghat of the Only World' by Amitav Ghosh is a heart-touching tribute to his friend, Agha Shahid Ali, a teacher and poet. Writer Amitav Ghosh and poet Shahid Ali were friends for a little while. Shahid was dying of cancer, and their friendship bloomed amidst such trying times.

Shahid was an expatriate from Kashmir. He moved to America and lived there for many years. His parents lived in Kashmir, and it was his custom to spend the summer months with them every year. Though he was aloof, he was the first-hand witness to the rising tension and violence that seized Kashmir from the late 1980s onwards.

Shahid regarded his time in America as the happiest time of his life. He grew as a poet and a lover. He did a series of jobs in various colleges and universities and also earned a degree in creative writing.

Amitav met Shahid when he moved to Brooklyn in 2000. By this time, Shahid's condition was already serious, but his illness did not hamper their friendship or Shahid's interest in music and poetry. They both had common friends as well as common likings. Both loved rogan josh, Roshanara Begum and Kishore Kumar.

They were indifferent to cricket but attached to old Bombay films. Shahid was sociable by nature; he loved spending time in the company of his friends. He was a lover of good food, especially the Kashmiri Cuisine. He did not tolerate any deviation from traditional methods and recipes.

Shahid was fond of Begum Akhtar's ghazals. The author remembered Shahid conversation with a security guard, a woman, at Barcelona Airport. Shahid worked poetry in his answers to the question asked by the guard. The guard asked Shahid what he did and whether he was carrying anything that could be dangerous to the other passengers. For her first question, Shahid said that he was a poet. For her second question, he clapped a hand to his chest and said that he was carrying his heart.

Later, he composed the poem 'Barcelona Airport' recalling this incident. The author had quoted from his collection 'The Country Without a Post Office' in 1998 in an article that touched briefly on Kashmir.

Shahid spoke about his approaching death for the first time on 25 April 2001. He wanted the author to write something about him after his death. In the spring semester of 2000, the author was with Shahid when he taught his last class at Manhattan's Baruch College. On 5 May 2001, he had an important scan. The doctor gave him a year or less.

The hospital had stopped all medicines and even chemotherapy. Shahid wanted to go back to Kashmir to die but had to change his mind. He was content to be laid to rest in Northampton, in Amherst town. The author saw Shahid for the last time on 27th October at his brother's house in Amherst. He died peacefully, in his sleep at 2 a.m. on 8 December. The author felt his presence in his own living room. He was amazed that so brief a friendship could result in so deep a void.

The Ghat Of The Only World Summary In Hindi

The Ghat Of The Only World Summary In Hindi- अमिताव घोष की 'घाट ऑफ द ओनली वर्ल्ड' उनके दोस्त, शिक्षक और कवि, आगा शाहिद अली को एक दिल छू लेने वाली श्रद्धांजलि है। लेखक अमिताव घोष और कवि शाहिद अली कुछ समय के लिए दोस्त थे। शाहिद कैंसर से मर रहे थे और ऐसे कठिन समय के बीच उनकी दोस्ती परवान चढ़ी।

शाहिद कश्मीर के प्रवासी थे. वह अमेरिका चले गये और कई वर्षों तक वहीं रहे। उनके माता-पिता कश्मीर में रहते थे और हर साल गर्मियों के महीने उनके साथ बिताने का उनका रिवाज था। हालाँकि वह अलग-थलग था, लेकिन वह 1980 के दशक के बाद से कश्मीर में बढ़ते तनाव और हिंसा का प्रत्यक्ष गवाह था।

शाहिद अमेरिका में बिताए अपने समय को अपने जीवन का सबसे सुखद समय मानते थे। वह एक कवि और प्रेमी के रूप में विकसित हुए। उन्होंने विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में कई नौकरियाँ कीं और रचनात्मक लेखन में डिग्री भी हासिल की।

अमिताव की मुलाकात शाहिद से तब हुई जब वह 2000 में ब्रुकलिन चले गए। इस समय तक, शाहिद की हालत पहले से ही गंभीर थी, लेकिन उनकी बीमारी ने उनकी दोस्ती या संगीत और कविता में शाहिद की रुचि पर कोई असर नहीं डाला। उन दोनों के मित्र भी समान थे और पसंद भी समान थी। दोनों को रोगन जोश, रोशनआरा बेगम और किशोर कुमार बहुत पसंद थे।

वे क्रिकेट के प्रति उदासीन थे लेकिन पुरानी बंबइया फिल्मों से जुड़े हुए थे। शाहिद स्वभाव से मिलनसार थे; उसे अपने दोस्तों के साथ समय बिताना अच्छा लगता था। वह अच्छे भोजन, विशेषकर कश्मीरी व्यंजनों के प्रेमी थे। उन्हें पारंपरिक तरीकों और नुस्खों से कोई विचलन बर्दाश्त नहीं था।

शाहिद को बेगम अख्तर की गजलें बहुत पसंद थीं। लेखक को बार्सिलोना हवाई अड्डे पर एक सुरक्षा गार्ड, एक महिला, के साथ शाहिद की बातचीत याद है। गार्ड द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में शाहिद ने शायरी का काम किया. गार्ड ने शाहिद से पूछा कि उसने क्या किया है और क्या वह कुछ ऐसा ले जा रहा है जो अन्य यात्रियों के लिए खतरनाक हो सकता है। उनके पहले सवाल पर शाहिद ने कहा कि वह एक शायर हैं। उसके दूसरे प्रश्न के लिए, उसने अपने सीने पर हाथ रखकर ताली बजाई और कहा कि वह अपना दिल लेकर आ रहा है।

बाद में उन्होंने इस घटना को याद करते हुए 'बार्सिलोना एयरपोर्ट' कविता की रचना की। लेखक ने 1998 में अपने संग्रह 'द कंट्री विदाउट ए पोस्ट ऑफिस' से एक लेख उद्धृत किया था, जिसमें कश्मीर पर संक्षेप में चर्चा की गई थी।

शाहिद ने 25 अप्रैल 2001 को पहली बार अपनी निकट आ रही मृत्यु के बारे में बात की थी। वह चाहते थे कि लेखक उनकी मृत्यु के बाद उनके बारे में कुछ लिखें। 2000 के वसंत सेमेस्टर में, जब शाहिद मैनहट्टन के बारूक कॉलेज में अपनी आखिरी कक्षा पढ़ा रहे थे, तब लेखक उनके साथ थे। 5 मई 2001 को उनका एक महत्वपूर्ण स्कैन हुआ। डॉक्टर ने उसे एक साल या उससे कम का समय दिया।

अस्पताल ने सभी दवाएं और यहां तक कि कीमोथेरेपी भी बंद कर दी थी. शाहिद मरने के लिए वापस कश्मीर जाना चाहते थे लेकिन उन्हें अपना इरादा बदलना पड़ा। वह एमहर्स्ट शहर के नॉर्थम्प्टन में अंतिम संस्कार किए जाने से संतुष्ट थे। लेखक ने शाहिद को आखिरी बार 27 अक्टूबर को एमहर्स्ट में अपने भाई के घर पर देखा था. 8 दिसंबर को सुबह 2 बजे नींद में ही उनकी शांतिपूर्वक मृत्यु हो गई। लेखक को अपने लिविंग रूम में उसकी उपस्थिति महसूस हुई। वह आश्चर्यचकित था कि इतनी संक्षिप्त दोस्ती का परिणाम इतना गहरा शून्य हो सकता है।